नाटक

पोंगा पंडितों की जगह जेल में है

• **नरेश प्रेरण**

भक्तजनों आपका इन्तज़ार बस खत्म होने वाला है। महाप्रभू बस पधारने वाले हैं। (भक्ति संगीत बजता है।)

1. भक्तजनों अपने–अपने मोबाइल बंद कर दें। इयर फोन निकाल दें। कोई फोटो नहीं लेगा। फिल्म तो बिल्कुल नहीं बनानी है। बस प्रभु का ध्यान दें, फोटो फिल्म आप सब को आशीर्वाद स्वरुप काउंटर मिल पर जाएंगे। महाप्रभू ने हर तरह के कैमरों का इंतजाम किया है। तो महाप्रभू पधार रहें हैं ..... (जयकारों का संगीत)

महाप्रभू : (गद्दी पर विराजमान होकर) सब प्रभू की कृपा है। जो प्राणी अपने दुखों का निवारण चाहता है पापों से मुक्ति चाहता है। प्रभू की शरण में, प्रभू के चरणों में आसानी से पा सकता है। मोह माया त्यागकर सच्चे मन से प्रभू के जाप में ही शक्ति है। हे प्रभू .....

1. एक दीन दुखी बालक आपसे आशीर्वाद लेना चाहता है। वो चल फिर नहीं सकता। बड़े से बड़े अस्पतालों में इलाज कराया पर कुछ नहीं हुआ हर जगह असफलता के बाद आप की शरण में आया है।

महाप्रभू : उसे ले आओ। भगवान ने उसे अपनी शरण में बुलाया है। (लंगड़ाता हुआ एक आदमी आता है। बड़ी मुश्किल से चल पाता है। महाप्रभू के चरणों में लेट जाता है। महाप्रभू कुछ मंत्र पढ़तें हैं, उसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। धीरे–धीरे उसके पैरों को अपने पैरों से छूते हैं। वह धीरे–धीरे उठता है और धीरे–धीरे

चलने लगता है। मारे खुशी के उठलने लगता है। तालियों की गड़गड़ाहट और नारे गूंजते हैं।)

1. चमत्कार महाप्रभू! चमत्कार! आपने एक लंगड़े को जीवनदान दिया। अब वह कभी लाचार नहीं रहेगा। जीवन भर आपका ऋणि रहेगा। धन्य हैं! महाप्रभू धन्य हैं!

महाप्रभू : सब ईश्वर की कृपा है। जो ईश्वर की शरण में आएगा उसे फल जरूर मिलेगा।

1: हे महाप्रभू! एक आजीवन अन्धा प्राणी आपसे आशीर्वाद लेना चाहता है। उसने बहुत इलाज कराया पर डाक्टर कहते हैं जन्म से अन्धों का इलाज नहीं होता। हे प्रभू कल्याण करो। उस भक्त को राह दिखाओ।

महाप्रभू : जाओ उसे सहारा देकर हमारे पास लाओ। प्रभू के चरणों में सबके लिए जगह है। ईश्वर की जरूर कृपा होगी। (संचालक एक अंधे को लेकर आता है। उसे महाप्रभू के चरणों में बैठा देता है। महाप्रभू मंत्र पढ़ते हैं। उसकी आंखों पर हाथ फेरतें हैं और मंत्र फूंकते हैं और अपनी आंखों से छूते हैं। धीरे–धीरे वह आंखों खोलता है, उसे दीखने लगता है और महाप्रभू के चरणों में लेट जाता है। खुशी के मारे उछलने लगता है।)

महाप्रभू : शांत हो जा बच्चा। शांत। अपने पे काबू रखो! भगवान जब खुशी देता है तो उसे संभाल कर रखो। प्रभू की सेवा करो। वही कल्याण करने वाले हैं। (संगीत बजता है।)

1 महाप्रभू! हमारे देश के जाने माने नेता, लोगों ने जिन्हें वोट देकर चुना है, लोगों की समस्यओं का हल करने के लिए चुना है, वो अपने कल्याण के लिए आपसे आशीर्वाद लेना चाहते हैं।

महाप्रभू : उनको भी बुलाओ। तब तक भक्ति संगीत सुनाओ उनको संगीत का आनन्द लेने दो। (संगीत बजता है।)

दृश्य दो :

क्लासरुम का दृश्य, एक लड़की गुमसुम बैठी है। बाकी बच्चे पढ़ रहें हैं।

लड़का : तुम परेशान क्यों हो कृतिका।

कृतिका : कुछ खास नहीं। बस यूं ही।

लड़की : बहुत परसनल ना हो तो हमसे शेयर कर लो। हम दोस्त हैं तुम्हारे।

कृतिका : अरे यार घर की परेशानी है। हर समय झगड़ा होता है। बिल्कुल मन नहीं लगता।

लड़का : फिर पापा से झगड़ा हुआ क्या?

लड़की : तुम्हारे पापा उस बाबा को नहीं छोड़ने वाले! उनसे झगड़ा बेकार है।

कृतिका : यार! पापा बेशक जाते रहें। पर जब वो मां के साथ जबरदस्ती करते हैं या हमें भी वहीं ले जाना चाहते हैं तो मां मना करती है।

लड़का : हूं ! गंभीर मामला है।

कृतिका : और मां सिर्फ मना नहीं करती। पूरी अड़ जाती है। पापा को खूब सुनाती है।

लड़की : क्या कहती है?

कृतिका : कहती है। मैं अपनी बेटी को किसी बाबा के पास नहीं ले जाने दूंगी। बाबाओं का हाल बहुत देख लिया। कोई अकल का अन्धा ही वहां जाएगा। और पापा अपने को अकल का अंधा मानने को तैयार नहीं होते।

लड़का : यार अगर झगड़ा खत्म होता है तो तुम चली जाओ ना आश्रम में।

लड़की : नो वे! दिमाग खराब है तुम्हारा। नहीं कृतिका नहीं।

कृतिका : सवाल ही नहीं उठता। मैं नहीं जाने वाली। कभी नहीं जाने वाली।

लड़की : आश्रमों के हाल देखें हैं तुमने।

लड़का : ऐसा है। सब बाबा गंदे नहीं होते। बलात्कारी नहीं होते।

लड़की : तुम लड़के हो ना। तुम समझना नहीं चाहते बलात्कार क्या होता है।

लड़का : सब समझता हूं मैं।

लड़की : पर महसूस नहीं कर सकते।

कृतिका : यार बस करो। मैं पहले ही परेशान हूं।

लड़का : सॉरी यार।.... अपने इस बाबा का कुछ इलाज सोचना चाहिये।

लड़की : ये हुई ना बात। क्या हो सकता है। सोचो–सोचो।

लड़का : ये बाबा चमत्कारों के लिए मशहूर है। क्या सच में चमत्कार होते हैं?

कृतिका : गाएज! अपने को पता लगाना चाहिए वो क्या–क्या कता है कैसे–कैसे करता है। पर पता कैसे लगे?

लड़की : अपने को वहां चलना पड़ेगा। तभी पता चलेगा।

लड़का : पर कृतिका तो नहीं चलेगी वो पहले ही अपने पापा को मना कर चुकी है।

कृतिका : पापा के साथ भक्त बनकर जाने से मना किया है। उसका खेल समझने के लिए नहीं।

लड़की : चलो तो अगले संडे को उसका 'सत्संग' है। चलकर समझते हैं उसका खेल।

दृश्य–तीन

1 देश के जाने माने नेता, मंत्री महोदय आज महाप्रभू का आशीर्वादा लेने पधारे हैं। समाज सेवा और राजकाज के अपने व्यस्त समय में से समय निकाल कर महाप्रभू के वचनों को सुनने पहुंचे हैं।

महाप्रभू : आप वहां क्यूं बैठे हैं। हमारे पास आएं। (महाप्रभू अपनी गद्दी से उतर कर आते हैं। मंत्री महोदय को गले लगाते हैं।)

मंत्री : मैं महाप्रभू के चरणों में आकर बैठा हूं, मुझे श्रद्धा है। पूज्य महाप्रभू ने हमारी धरती को पवित्र किया है। मुझे उम्मीद है लोग उनसे आशीर्वाद के साथ नयी उमंग, नयी चेतना लेकर जाएंगे। हे महाप्रभू आपके आशीर्वाद से मेरा जीवन धन्य हो गया।

महाप्रभू : (साथ मिलकर पंत्र पढ़ते हैं) भक्ति देवायः

मंत्री : भक्ति देवायः

महाप्रभू : आनन्द देवायः

मंत्री : आनन्द देवायः

महाप्रभू : (मुस्कुराते हुए) माधूर्य देवायः

मंत्री : माधूर्य देवायः

स्कूली बच्चे आनन्द, माधुर्य।

कृतिका : कितनी खतरनाक लगती है ना वो बातें। मुझे बहुत डर लग रहा है।

लड़का : बोलो मत चुप रहो।

(महाप्रभू ज्योति को हाथ में लेकर आरती करने लगते हैं। सब लोग तालियां बजाते हैं चमत्कार! चमत्कार!! की आवाजें आती हैं।)

लड़की : ये कोई चमत्कार नहीं। पागल बना रहा है।

(आवाज सुनाई दे जाती है। महाप्रभू रुक जाते हैं। चारों तरफ देखते हैं)

संचालक : कौन शैतान है ये। ईश्वर को गाली दे रहा है। धर्म की निंदा कर रहा है। कौन है सामने आओ।

लड़की : (बाकी बच्चे उसको बैठाने की कोशिश करते हैं) मैं हूं श्रीमान।

संचालक : कौन हो? यहां कैसे पहुंची?

लड़का : (लड़की को चुप करा के) महाराज! हम महाप्रभू का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। परीक्षा में अच्छे नम्बर आएं। आशीर्वाद दें महाप्रभू।

संचालक : अच्छा! अच्छा!! नादान बालक हैं। हैं हैं ..... महाप्रभू का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है। (बच्चे चले जाते हैं)

दृश्य–चार

लड़की : तुमने मुझे बोलने क्यों नहीं दिया।

लडका : क्या कर लेती बोल कर। देखा नहीं कितने लोग हैं उसकी सिक्योरिटी में कचुमर निकाल देते तुम्हारा।

कृतिका : तुमको बीच में नहीं बोलना चाहिए था। पर तू ये बता तू कहना क्या चाहती थी।

लड़की : यार वो कोई चमत्कार नहीं है। वो कोई भी कर सकता है। हाथ में ज्योति जलाना मुश्किल नहीं है।

लड़का : क्या बकवास कर रही है। वो महाप्रभू हैं महाप्रभू। दुनिया मानती है।

कृतिका : जिनको दुनिया मानती है वो तो एक से बड़ा एक कुकर्म कर रहे हैं। लोग तो अन्धे हो जाते हैं।

लड़का : इन महाराज को बहुत बड़े–बड़े लोग मानते हैं। देखा नहीं मंत्री कितनी तारीफ कर रहा था।

लड़की : इन बड़े–बड़े लोगों ने ही दिमाग खराब कर रखा है इनका।

कृतिका : चल तू बता ये चमत्कार कैसे नहीं है।

(तभी कुछ लोग इन बच्चों को घेर लेते हैं)

सिक्योरिटी किसने भेजा है तुम्हें यहां महाप्रभू को बदनाम करने के लिए।

लड़का : नहीं जी हमें माफ करना कोई गलतफहमी हो गई है।

कृतिका : सर! हम तो प्रसाद लेने आए थे। हम जा रहें हैं।

सिक्यारिटी तुम बच्चे हो। थोड़ा सावधान रहो। जाओ अपने घर जाओ।

बच्चे : जी हम जा रहें हैं। बस जा रहें हैं।

लड़की : कल फिर आएंगे सर! प्रसाद लेने! आप हमें गलत मत समझो।

दृश्य–पांच

(संगीत बज रहा है। आरती हो रही है। महाप्रभू ज्योति को हाथ में लेकर आरती कर रहें हैं। बच्चे भी पहुंच जाते हैं।)

लड़की : हे! महाप्रभू, आपके आशीर्वाद से हम भी ये सब कर सकते हैं। (बच्चे भी कर के दिखाते हैं।)

महाप्रभू : (थोड़ा चौकन्ना होकर) ईश्वर का प्रताप है बच्चा। खूश रहो तुम्हारा कल्याण हो। (दूसरी तरफ संचालक को ईशारा करके) ये क्या हो रहा है। कौन पापी है ये।

कृतिका : महाप्रभू ये चमत्कार नहीं है। हम बच्चे भी कर सकते हैं। ये साइंस है साइंस।

स्ंचालक : सिक्यारिटी! बाहर निकालो इन्हें।

बच्चे : महाराज हम तो और भी बहुत कछ कर सकते हैं ये देखो। (बच्चे आग को मुंह में रख लेते हैं।)

(सिक्यारिटी वाले रुक जाते हैं। डर जाते हैं। और लोग चले जाते हैं। महाप्रभू उनके पीछे–पीछे डरते–डरते बचते बचते निकल जाता है)

कृतिका : डरिये मत। डरिये मत। ये कोई असंभव चीज़ नहीं है आप भी कर सकते हैं। आप भी कर सकते हैं।

लड़का : पहले मुझे भी डर लगा था। पर देखो (आग को मुंह में रखकर) अब नहीं लगता।

लड़की : (आग के शोले को अपने हाथों पर चलाते हुए) चालाक और ढोंगी लोगों से बचिए। ढोंगियों, अपराधियों की जगह समाज में नहीं जेल में है। कुछ तो चले गये हैं। कुछों की बारी है।

(संचालक डरता–डरता आता है। आपने ये किया कैसे। आप तो ईश्वर का अवतार हैं।)

कृतिका : हमें फुसलाने की कोशिश ना करें। ये विज्ञान है विज्ञान।

लड़का : महाप्रभू विज्ञान को छिपा कर चमत्कार बनाकर कर रहा है।

लड़की : ये कपूर है कपूर। जलता है तो राख या अंगार नहीं छोड़ता, सीधा उड़ जाता है।

कृतिका : और आग की लपटें उपर उठती है चमड़ी को नहीं जला पाती। लो तुम भी करके देखो। (उसके हाथ पर रख देती है।)

स्ंचालक डरते–डरते लेता है और मारे खुशी के उछलने लगता है।

गना :